अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

संख्या 94 श्री विजय पुरम, शनिवार, 05 अप्रैल 2025 web: www. and.n

मसालों में आयात प्रतिस्थापन पर कार्यशाला आयोजित

श्री विजय पुरम 4 अप्रैल।

मसाले व्यापार में कम मात्रा में उच्च मूल्य वाली वस्तुएं हैं, जो देश की निर्यात आय में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। हालांकि, हमारे देश में अभी भी बड़ी संख्या में मसालों का आयात किया जा रहा है, जिससे बहुमूल्य विदेशी मुद्रा का नुकसान हो रहा है। अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह से वाणिज्यिक मसाला उत्पादन और निर्यात की संभावनाओं का पता लगाने के लिए, आईसीएआर–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा 2 अप्रैल, 2025 को श्री विजय पुरम में वर्चुअल मोड पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की कृषि सचिव श्रीमती पल्लवी सरकार (आईएएस) ने संबंधित संगठनों के क्षेत्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के साथ महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित करने में आईसीएआर–सीआईएआरआई द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। आईसीएआर–सीआईएआरआई

शेष पृष्ठ 4 पर

मसालों में आयात प्रतिस्थापन पर कार्यशाला

——————————पृष्ठ 1 का शेष

के निदेशक डॉ. ई.बी. चाकुरकर ने द्वीपीय कृषि में मसाला फसलों के महत्व और स्थानीय किसानों के साथ–साथ व्यापारियों के लिए आजीविका सृजन में उनके योगदान पर ज़ोर दिया। उद्घाटन समारोह के बाद, आईसीएआर–सीआईएआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक और कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. अजीत अरुण वामन ने द्वीपों में गुणवत्ता वाले मसालों के उत्पादन की स्थिति और संभावनाओं पर एक प्रस्तुति दी। उन्होंने द्वीपीय किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों और द्वीपों में मसाला क्षेत्र की अनूठी ताकत के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने सुपारी की अंतरासस्य को प्रोत्साहित करने, द्वीप स्तर पर उपज को एकत्र करने और कस्टम हायरिंग केंद्रों की स्थापना करके कटाई के बाद के बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने का प्रस्ताव रखा।

कोझीकोड में आईसीएआर–भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आर. प्रवीणा ने अण्डमान में जैविक मसालों के लिए टिकाऊ उत्पादन तकनीकों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। भारत सरकार के सुपारी और मसाला विकास निदेशक, कोझीकोड, डॉ. होमी चेरियन ने भारत से मसालों के आयात और निर्यात के रुझानों पर एक व्यावहारिक प्रस्तुति दी और द्वीपों में दालचीनी उत्पादन की उज्ज्वल संभावनाओं पर ज़ोर दिया क्योंकि यह फसल प्रेकृति में कठोर है और इसमें इनपुट–गहन नहीं है। भारत सरकार के मसाला बोर्ड, कोच्चि, केरल की निदेशक (अनुसंधान) डॉ. रेमा श्री ए.बी. ने भारत से मसालों के निर्यात से संबंधित मुद्दों और देश भर के मसाला निर्यातकों को प्रोत्साहित करने के लिए मसाला बोर्ड द्वारा की जा रही पहलों पर प्रकाश डाला। इन प्रस्तुतियों के बाद विशेषज्ञों और प्रतिभागियों के बीच एक बातचीत सत्र हुआ, जिसमें मसाला क्षेत्र के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई।

अपने अंतिम भाषण में, कृषि सचिव ने विशेषज्ञों को उनके बहुमूल्य इनपुट के लिए धन्यवाद दिया और आश्वासन दिया उन्होंने विभागीय अधिकारियों को विभागीय खेतों में मातृ उद्यान और नर्सरी विकसित करने तथा द्वीपों के विभिन्न उत्पादन क्षेत्रों में कटाई उपरांत बुनियादी ढांचे की स्थापना के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी दिए। इन पहलों के लिए विभाग की विभिन्न प्रासंगिक योजनाओं से धन जुटाने की संभावना तलाशी जा सकती है। कार्यक्रम का समापन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अजीत अरुण वामन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ तथा कार्यक्रम की सह–आयोजक डॉ. पूजा बोहरा ने पूरे कार्यक्रम का समन्वय किया। कार्यक्रम में केंद्र शासित प्रदेश कृषि विभाग तथा दक्षिण अण्डमान के कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों ने भाग लिया।